

VISIONIAS

INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2220)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 61+3 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 61+3 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 0089080

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : गौरव कुमार बिप्रा

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

हिंदी

तारीख
Date

28/अप्रैल/2022

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV) GENERAL STUDIES (Paper IV)

केंद्र
Centre Academy of Computer
Betiakhata, Gorakhpur

M. Singh
निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	महत्वपूर्ण अनुदेश उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।	Important Instructions Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			6 (c)		
2(b)			7		
3(a)			8		
3(b)			9		
4(a)			10		
4(b)			11		
5(a)			12		
5(b)					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					



सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2220)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बारह प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छपे हुए हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH**.

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

1. (a)

असीमित संपत्ति का तर्क लाभ के रूप में स्वहित की पूर्ति करने की बुनियादी मानवीय प्रवृत्ति में निहित है। इस संदर्भ में, क्या आपको लगता है कि नैतिक पूंजीवाद का अनुसरण करने की संभावना है? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The logic of limitless wealth lies in the basic human instinct for furthering self-interest in the form of profit. In this context, do you think there is a possibility of pursuing ethical capitalism? (Answer in 150 words)

10

नैतिक पूंजीवाद से वास्तविक पूंजीगत संपत्ति से प्राप्त लाभों का अधिक वितरण बुनियादी कर्तव्य में है।
ऐसा गांधी जी के 'न्यासीता के सिद्धांत' के अनुसार है।

नैतिक पूंजीवाद का अनुसरण करने में चुनौतियाँ।

- ① असीमित संपत्ति का तर्क
- ② लाभ के बँटवारे का अर्थ जिससे जवाबदार एवं तत्कालीन बाधित।
- ③ अधिक जीवन स्तर खोजने का अर्थ।
- ④ स्वयं की मेहनत दूसरों को न्याय दे समाज की ऐसी सौख्य।

नैतिक पूंजीवाद का अनुसरण करने की संभावना :-

- ① चरम लाभ देना ही उपरि कंपनी → समाज को लाभ की राह
↓
मांग सृजन

② कारपोरेट गवर्नेंस के मामलों में
शामिल है → भारत में कंपनी एक्ट
के तहत 270 लाख CSR व्यय आवेदन

③ वास्तव में जवाबदारी एवं निर्वहण
का बढावा है।

अब - नैतिक पुंजीवाद → विश्व में निर्वहण
प्रयोग शुरू किया गया

वेदवर्जित प्रभाव → अनुसंधान एवं विकास
एवं जवाबदारी को सुझा।

④ कारपोरेट्स द्वारा प्रयोग किया जा रहा है
[बिल - मालिंडा गेल्स कांफ्रेंस]
→ लगातार संस द्वारा TIFR को निमंत्रित

स्पष्टतः नैतिक पुंजीवाद कंपनी के
सभी हिस्सों में जा अधिकतम
लाभ सुनिश्चित करता है।

1. (b)

यदि कोई कानून अन्यायपूर्ण है, तो व्यक्ति द्वारा उसकी अवज्ञा करना न केवल उचित है, अपितु ऐसा करना उसका दायित्व भी है। चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

If a law is unjust, a man is not only right to disobey it, he is obligated to do so. Discuss. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हाथिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कॉर जैसे किन्नाक 'कर्तव्य के लिए कर्तव्य' जो अर्थात् मानते हैं वही गांधी जी के अनुसार अन्यायपूर्ण कानूनों की अवज्ञा करना उचित एवं धर्म का दायित्व भी है।

(1) पक्ष में तर्क :

① कानून की शोषणकारी एवं विभेदकारी प्रवृत्ति से सेक है।

↳ उदा. - IPC की धारा 302 जैसे जाद फाउंडेशन बार में SC ने रद्द कर दिया।

② ब्रिटिश काल में घुस्मण्ड जनजातियों को अपराधी घोषित करने वाले कानून।

③ लोकतंत्र एवं मानवाधिकार की रक्षा हेतु
↳ उदा. - प्रेस की स्वतंत्रता एवं व्यक्त के अधिकार सुरक्षित करना

④ कानून वास्तव में सामाजिक रक्षा है तथा बदले समाज के अनुसार

अप्रचारित कानूनों को खत्म दिया
जाना चाहिए

उम्मीदवारों को
इस हशिप में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

विषय में तर्क :

① कानून की अव्यायपूर्णता निघरित ठीक
कौना → ऐसा अराजकता जो जन्म
दे सकता है।

(उपाठ - द्राकिल कानून गीतों से
अव्याय पूर्ण कानून।)

② राज्य की व्यवस्था एवं अन्य मौजों के
आधीकार में बाधण - उपाठ अत्याधीन

प्रखण के बावजूद फाले कौना
कोविड - 19 में सोशल डिस्टेंसिंग का

पाठन न कानून।

इस संकेत संदर्भ में विद्यार्थीना
को प्रियमित कानूनों की जॉच तथा
सिपिल समाज एवं सभी दिवथानों।

ये कानूनों की शुद्ध युक्तता का
विद्यार्थी कानून चाहिए। इयल रहे
"कानून है सभी खतरेना है।"

2. (a)

किसी परिवर्तनकारी प्रक्रिया को शुरू करने की सिटीजन चार्टर की क्षमता उसे उचित रूप से तैयार करने और प्रभावी ढंग से लागू किए जाने पर निर्भर करती है। चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The capacity of Citizens' Charter to initiate any transformative process is conditioned upon it being appropriately designed and effectively executed. Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस इच्छा में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सिटीजन चार्टर किसी संगठन द्वारा प्रदत्त सेवाओं, उनकी गुणवत्ता का स्तर, सेवा प्रदाता आधिकार, लक्ष्य प्राप्त समय तथा सेवाओं की मात्रा आदि दक्षिण दिशा में डिजाइन है।
यह ARC के अनुसार परिवर्तनकारी प्रक्रिया है। वर्तमान में निम्न चुनौतियाँ हैं।

- ① अत्याधिक केन्द्रीकरण - स्थानीय आवश्यकता पर ध्यान नहीं।
 - ② स्थानीय भाषाओं का प्रयोग नहीं।
 - ③ शिवाग्र निपातण एवं जवाबदेही लेना नहीं।
 - ④ कर्मचारियों का प्रशिक्षण नहीं।
- निष्कर्ष: परिवर्तनकारी प्रक्रिया है। सिटीजन चार्टर की क्षमता है।

- ① उसे अधिक रूप से तैयार करने।
→ स्थानीय आवश्यकताओं का ध्यान
→ सभी विभागों (ग्राहकों, सफाई, कर्मचारी आदि) का सम्बन्ध

स्थानीय भाषाओं में प्रकीर्ण
→ सभी हेतु सुगमता पूर्ण उपलब्धता
पर निर्भर करने हैं।

② प्रभावी दंड से लाभ काला :

क) जवाबदेही एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित
काला तथा उपेक्षित क्षेत्रों
निर्वाण प्रणाली को उपायों (उपा-
सर्वोत्तम मॉडल)

② सुगम बनाना : कार्यालय में सामने
प्रकीर्ण तथा पिछाई आदि तब
हम एवं अन्य तकनीकों के माध्यम
से पहुँच सुनिश्चित है।

③ समयबद्ध सेवा के मिलने पर धर्म
को प्रवधान है।

इस प्रकार सिरीजन चार्ट को नगरिक
केन्द्रित प्रशासन सुनिश्चित करने
हेतु अद्वयपूर्ण दृष्टिकोण के रूप में
स्थापित किया जा सकता है।

2. (b)

लोक प्राधिकारियों की आंतरिक शक्ति (मोरल फाइबर) और नैतिक आचरण न केवल शासन की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं बल्कि उनके स्वयं के हितों और प्रदर्शन को भी प्रभावित करते हैं। सविस्तार वर्णन कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The moral fiber and ethical conduct of public officials not only influence the standard of governance but also their own interests and performance. Elaborate. (Answer in 150 words) 10

एक शासक के रूप में लोक प्राधिकारी के कार्यों एवं निर्णयन क्षमता को अपनी आंतरिक शक्ति एवं नैतिक आचरण निम्न प्रकार से प्रभावित करते हैं।

① शासन की गुणवत्ता के स्तर पर
 - सत्यानिष्ठ, समानता नीतिसेवक सेवा के प्रति समर्पण एवं समानुच्चरि जैसे मूल्यों को महत्व देता है।
 → वह कम संसाधनों में भी गुणवत्ता पूर्ण सेवाएँ प्रदान करता है। (उदा - आर्मिस्ट्रांग पास डाय 'द पीपुल्स रीड' का निर्माण)

② संघ के हितों पर प्रभाव
 नैतिक नीतिसेवक व्यापकतः काम सामाजिक हित के दृष्ट में सामाजिक हित को प्राथमिकता देता।
 (उदा - केरल के एक आधीनारी

द्वारा संयुक्त मार्ग में आ रहे अपने
संयुक्त के मजान को भी दुःखाना।

उम्मीदवारों को
इस हार्डि ने
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

(3) प्रदर्शन पर प्रभाव - जो केवल स्वयं के
बालक कार्यालय के अन्य व्यक्तियों
के बीच

(उदा- महाराष्ट्र के एक IRS अधिकारी
द्वारा कार्मिकों का समय पर आना
सुनिश्चित करने हेतु खुद को हमेशा
समय से पहले मौजूद रखा सुनिश्चित
लेया गया।

लोकप्रार्थियों में नीति
आचरण को जमीन प्रत्यक्ष, यदि-भारत
काद आदि समस्याओं को जल्द से
स्वयं ही इसे में मित्रता कर्मयोगी।
जैसे प्राविण्य कार्यक्रम सहाय्य
कर्म ही

3. (a)

इच्छामृत्यु पर जारी बहस कई नैतिक प्रश्नों को जन्म देती है। चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The ongoing debate on euthanasia poses several ethical questions. Discuss. (Answer in 150 words)

10

दाल ही में 'आवना शानकाय' मामले
ने इच्छा मृत्यु पर बहस को
पुनर्जन्म दे दिया

नैतिक प्रश्न

इच्छा मृत्यु सही है :- ① व्यापक को
उसके शरीर पर आधीना है

(अनु० २)

— ② गारिमा सहित जीवन जीने में गारिमा
साहित मृत्यु का भी आधीना है

— ③ ~~क्या~~ क्या सामाजिक नियमों को धार
है व्यापक को कष्ट में हमीश
जीवित रहा जायें (आर - कैंसर से
पीड़ित व्यापक)

— ④ विभिन्न जीवनशैलियों में अनुमानित नैतिक

इच्छा मृत्यु के विषय में तर्क / प्रश्न

① व्यापक समाज का अंग है, तथा
उसके संरक्षण की जिम्मेदारी समाज
की है।

② चिकित्सकीय नैतिकता - चिकित्सक का

कारण है, वह अंत समय तक
रोगी की रक्षा करे।

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

(3) यह आत्महत्या जैसे साधनों को
बौद्धिक दृष्टि देना, जब व्यक्ति तात्कालिक
परिस्थिति में निर्णय ले सकता है।

(4) इच्छामृत्यु का निर्णय कोल लेगा
प्रभावित व्यक्ति या उसका परिवार।

(5) ~~यह~~ इच्छामृत्यु भावनात्मक आधार पर
नहीं है (उदाहरण - कुछ बड़े कंपनियों द्वारा
राष्ट्रपति से इच्छामृत्यु की भांति)

अतः सुप्रीम कोर्ट के
निर्देशों अनुसार अत्यधिक दुर्लभ
केसों में 'पैसिव इच्छामृत्यु' का
आदेश इस संदर्भ में प्रारंभिक
कार्य है।

3. (b)

विदेशी सहायता नव-उपनिवेशवाद का एक रूप है, क्योंकि आर्थिक रूप से समृद्ध देश सहायता की आड़ में विकासशील देशों का शोषण कर सकते हैं। परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Foreign aid is a form of neo-colonialism, as the economically wealthier countries can exploit the developing countries under the cloak of aid. Examine. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को
इस हार्जिन में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

विदेशी सहायता अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों में
जीतिमता अध्ययन का महत्वपूर्ण
विषय है

① यह जव-उपनिवेशवाद का रूप है
क्योंकि - ① सहायता की आड़ में शोषण
उदा- चीन द्वारा श्रीलंका, मालदीव
पाकिस्तान को कर्ज के जाल में
फँसाया।

② समुदायों की सहयोग के बजाय
स्वार्थ में तलाशाहों को सहयोग -
उदा- अमेरिका द्वारा अफ्रीका एवं
आरब देशों के तलाशाहों को समर्थन

③ सहायता के नाम पर संसाधनों पर
कब्जा - मुख्यतः खनिज एवं
अन्य संसाधनों पर (अमेरिका द्वारा
सीरिया में)

④ यह भ्रष्टाचार एवं मानवाधिकारों का
हानि कर सकता है (उदा-

अफगानिस्तान, छुड़ान आदि में)

आगे की राह :

- ① विदेशी सहायता के निग्रहों एवं क्षेत्रों में पारदर्शिता हो (आठ-न्यू डेट सार्वभौमिकता)।
- ② सहायता शासन के बजाय स्थानीय समुदाय पर केंद्रित हो (उदा- भारत द्वारा अफगानिस्तान में स्थित डेवलपमेंट, अफ्रीका में सोलर मसमा कार्यक्रम)।
- ③ सहायता बहुपक्षीय हो जिससे संतुलन बना रहे।

दोनों विदेशी संबंधों में नैतिकता मुख्यतः व्यवहारिता से निर्धारित होती है जो वेबों द्वारा अपने हितों पर केंद्रित होती है। ऐसे में विदेशी सहायता में निहित अवधारणाएँ - वाद से बचाव चुनौतीपूर्ण है।

उम्मीदवारों को इस कश्चि में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. (a)

रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा प्रतिपादित सार्वभौम मानवतावाद के विचार पर प्रकाश डालते हुए, इसकी समकालीन प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Throwing light on the idea of Universal Humanism propounded by Rabindranath Tagore, discuss its contemporary relevance. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस कक्ष में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

रवीन्द्रनाथ टैगोर मानवतावादी विचारधारा
के समर्थन में उनका सार्वभौमिक

मानवतावाद :

- 1. (वैश्वविषय कुटुंबकम) पर आधारित है
- 2. यह विश्व सभी व्यक्तियों का है
- 3. संसाधनों पर समग्र मानवता का अधिकार है।
- 4. व्यक्ति समाज का, समाज, राष्ट्र का और राष्ट्र अन्तर्राष्ट्र का अभिन्न अंग है।

प्रासंगिकता

- 1. पर्यावरणीय : जलवायु परिवर्तन हेतु - कार्यवाहियों में तीव्रता हेतु (आव - विकासशील देशों को विकासशील देशों की सहायता करनी चाहिए)।
- 2. सर्वधर्म सम्भाव एवं सहिष्णुता को बढ़ावा - यह संघर्ष, आतंकवाद एवं नस्लीय भेदभाव को समाप्त करेगा।

③ कोविड-19 जैसी पारस्परिकता में
यह स्पष्ट हो गया कि सभी मनुष्यों
का कल्याण एक-इसके से संबंधित है।

④ आय एवं अवसरों की असमानता कम
करने हेतु: विश्व में 47% भारतीयों के
पास भारत की 70% आय है (आवसेफम)

पुनर्निर्माण - ① जयवहाट में अपराध
जाना गठित (विश्व में
वास्तविकता, युद्ध आदि चरम पर)

② समाज में व्याप्तिवाद, उपभोजनवाद
आदि का बढ़ता प्रचलन।

सार्वभौमिक मानवतावाद के
मूल के अनुषंग ही 'विश्व' के जहाँ
हैं

"जब तक मनुज-मनुज का यह
सुख याग नहीं सम होगा।
समय जब होगा कोलाहल,
संधि नहीं कम होगा ॥"

4. (b)

क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि चारित्रिक प्रकृति, न कि परवरिश, किसी व्यक्ति की भावनात्मक बुद्धिमत्ता का निर्धारण करती है? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Do you agree with the view that it is nature and not nurture which determines the emotional intelligence of a person? (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को
इस हशिफ में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

भावनात्मक बुद्धिमत्ता किसी व्यक्ति का वह गुण है जो व्यक्ति के स्वभाव तथा इसके के भावनाओं को समझने तथा असली प्रयोग विभिन्न परिस्थिति में जानने में सहायक होती है। इसके विद्यमान के ये विचार प्रमुख हैं।

① चारित्रिक प्रकृति के आधार पर:
इस मत के समर्थकों का मानना है कि एक जन्मजात होता है क्योंकि प्रकृति समान प्रशिक्षण के बावजूद दो सैलिक युद्ध में अलग-अलग रास्ता चुनते हैं।

② मनुष्य के कुछ गुण - आत्मनिरीक्षण, आत्मजागरूकता आदि जन्मजात होते हैं। उदाहरण -
(एक ही परिवार के दो लोग अलग-अलग व्यवसाय चुनते हैं।)

② वहीं सुदृढ़ और कुछ विचारों
के अनुसार ED प्रशिक्षण से ग्रह
विभा जा सकता है।

① सामाजिक कौशल, आत्मजागरूकता,
आत्मविश्वास आदि ED के अवयव
प्रशिक्षण आधारित होते हैं। (अपने
सिखने सेवकों को और विभाग का
प्रशिक्षण।)

② वास्तव में दो सौकों एवं दो सौ ही
परिवार के दो व्यक्तियों के असमान
निर्णय उनके अलग सामाजिक,
दोहों एवं अन्य वातावरण के कारण होता
है।

अतः वास्तव में ED का
निर्धारण पारिवारिक प्रकृति एवं परवरिश
दोहों के समन्वय के माध्यम
से होता है।

5. (a)

वे मूल्य जो लोक प्रशासकों का मार्गदर्शन करते हैं, व्यापक सार्वजनिक हित के लिए अपने सापेक्ष महत्व के कारण प्रायः एक-दूसरे के प्रतिस्पर्धी हो सकते हैं। उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Values that guide public administrators can often compete with each other, owing to their relative importance to the larger public interest. Discuss with examples. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को
इस इतिहास में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

लोकसर्वकारों के द्वारा मार्गदर्शक आर्थिक मूल्य
समानता, पारदर्शिता, सत्यापन, ईमानदारी,
नेतृत्व, सेवा के प्रति समर्पण आदि हैं।
कई बार यह मूल्य एक-दूसरे
के प्रतिस्पर्धी हो जाते हैं।

① चयन के मामलों में : उपर्युक्त लक्षण
आवश्यक रिपोर्ट प्रदान करने के द्वारा
के व्यक्ति उपलब्ध हैं जिससे लक्षण
का है परंतु ईमानदारी नहीं। वहीं इसका
ईमानदारी परंतु यह नहीं। ऐसे में
क्या चयन किया जाये।

② कायून का पालन बनाम समानता :
हीनता काटती तीव्रता गयी बार को
अंदर देखने पर एक गर्मिनी महिला
नज़रती दिखती है जैसे में पहले
कार्यवाही की जाये अथवा जीवन
जीने का अधिकार सुनिश्चित किया
जाये।

(3) लोकसेवकों के पास सीमित संसाधन
जल्दी विकास से जुड़ी चुनौतियाँ
अभावी।

→ उपलब्ध धन को वांछित कों हेतु
साहसिक में अथवा औद्योगिक हेतु
अवसंरचना बिमल में लगाया जाए।

ऐसे में लोकसेवा संवैधानिक
आदेशों, लोकसेवा आचरण विधिमाला,
एक मानक की आपन को
सुवर्ण मूल्यों के स्वरूप का
समाधान करना है।

उम्मीदवारों को
इस इतिहास में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

5. (b)

क्या यह कहना तर्कसंगत है कि भ्रष्टाचार एक सामाजिक परिघटना है? प्रशासनिक भ्रष्टाचार से निपटने के विभिन्न तरीके क्या हैं? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Is it justifiable to say that corruption is a social phenomenon? What are the various ways through which administrative corruption can be tackled? (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

प्रसिद्ध राजनीतिक विचारक चाणक्य के अनुसार भ्रष्टाचार "मधुमक्खी के लिए श्राद्ध समान है" जो इसे दूर नहीं कर सकता।

भ्रष्टाचार एक सामाजिक परिघटना है

① जनता द्वारा स्वीकारे गए - समाज में धन, बल को सूर्यों पर अधिक निर्भर दिया जाना।

② समाज द्वारा अनदेखी

→ पारदर्शिता की ग्राहक को करना
→ कार्यवाही के क्षेत्र पर भी ध्यान दे देना।

③ अंग्रेजी मानसिकता - लोकसेवकों को वास्तविक समझना तथा कार्य हेतु भ्रष्टाचार को आवश्यकता पूर्ण मानना

भ्रष्टाचार से निपटने के तरीके :

① ई-गवर्नेंस का प्रयोग - उदा.

फेसलेस अपीलों के कारण आयुक्त विभाग में अध्यापक में कमी आई।

उम्मीदवारों को इस हदिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

② दंड एवं पुनर्स्थापन की नीति: अल्प लीजसेपकों पर क अध्यापक विभाग आयुक्तियम के तहत कार्यवाही।

③ जवाबदायित्व एवं जवाबदेही: बंडोबीधीया की तर्ज पर जवाबदा जो सामाजिक सेवा परीक्षण आदि हेतु तैयार करना।

इसके अलावा सीरिया, सिविल सीसाही आदि का प्रयोग अध्यापक उन्मुलन में सहमति होगा

6.

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिए क्या मायने रखता है?
What do each of the following quotations mean to you?

(a)

"गरीबी पर काबू पाना दान का कार्य नहीं है; यह न्याय का कार्य है।" नेल्सन मंडेला (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"Overcoming poverty is not a task of charity; it is an act of justice." Nelson Mandela (Answer in 150 words)

10

उपरोक्त कथन में नेल्सन मंडेला
गरीबी का मूल्य वाक्य अव्यास
को मानते हैं।

① मिलाना मूल्य अव्यास: लंसाधनो
का अचेत बँटवारा बारी-अतः
गरीबी में पहुँच।

② स्वतंत्रता अव्यास - जस्ममेव जारीय
नैष्ठिका आदि के वाक्य औपनिवेशों
में गरीबी जवान शासन राज्य
अमीर।

③ मंडेला के अवसाद - सरकार एवं
अमीर वर्ग द्वारा की गयी सहायता
वाक्य में दान नहीं है बल्कि
अव्यास की समर्पण का पुत्रास ही

(क) गांधी जी की न्यायसिद्धान्त के सिद्धान्त
में वास्तव में पूर्वजपति वर्ग को
गरीब जनता के संसाधनों का
संरक्षण बताते हैं

गरीबी उन्मुखन सतह
विनास लक्ष्यो को पहिले तथा अभ्यास
को समाप्त है शान्तिवर्धन है

6. (b)

"मेरा यह मानना है कि जहां कायरता और हिंसा में से केवल किसी एक को चुनना हो तो मैं हिंसा चुनने की सलाह दूंगा।" - महात्मा गांधी (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"I do believe that, where there is only a choice between cowardice and violence, I would advise violence." - Mahatma Gandhi (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को
कृपया ध्यान में
रखें कि
Candidates
must not
write on
this margin

गांधी जी के अनुसार "हिंसा परमो धर्म" है। पहले वह आहिंसा को वार्ताशास्त्री एवं सत्याग्रही 'लोगों' की विक्षेपता मानते हैं।

→ कायरता की जगह हिंसा चुनना उपयोगी (उदा. यदि एक पागल कुत्ता सबको काट रहा हो तो वास्तव में उसे बचाने हेतु हिंसा उपयोगी)

→ आहिंसा सत्याग्रहीजों का ही शस्त्र है, जो अन्याय के विरुद्ध संघर्ष की चेत्ना देता है।

→ सामाजिक स्तर पर - लैंगिक व्याप, असमानता आदि की समाप्ति हेतु विरोध एवं प्रयास स्वीकृत है।

→ राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्र की रक्षा
के लिये सैनिकों का कुछ जामन है।
(उपरा - गलवान घाटी की घटना)

उम्मीदवारों को
इस दृष्टि में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

6. (c)

"परिवर्तन अपरिहार्यता के पहियों पर नहीं चलता है, बल्कि निरंतर संघर्ष के माध्यम से आता है।" मार्टिन लूथर किंग जूनियर (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"Change does not roll in on the wheels of inevitability, but comes through continuous struggle." Martin Luther King Jr (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को
इस दृष्टि में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

मार्टिन लूथर किंग परिवर्तन हेतु निरंतर
संघर्ष की आवश्यकता को रेखांकित
करते हैं।

① व्यापक स्तर पर : परीक्षा आदि
असफलताओं, सामाजिक ताना-से
वा शका निरंतर प्रयास ही परिवर्तन
लाता है। (उदा. साइलेंट स्प्रिंग की प्रकृति
प्रथाओं के बाद कलकत्ता वगैरह में
सफलता मिली।)

② सामाजिक स्तर पर : दासता की
समाप्ति, लैंगिक व्याप आदि
निरंतर संघर्ष का परिणाम है।
(उदा. - भारत का स्वाधीनता
संग्राम।)

③ राष्ट्र के स्तर पर : आजादी के
पश्चात् गरीबी, भ्रष्टाचार आदि

समस्याओं का समाधान निरंतर
अपेक्ष से ही संभव हुआ
भारत अब स्वायत्त आत्मनिर्भर है

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

7.

आप एक मेट्रोपॉलिटन शहर में पुलिस आयुक्त के रूप में तैनात हैं जहां एक आधिकारिक समारोह में अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए राष्ट्रपति स्तर की सुरक्षा प्राप्त एक विदेशी पदाधिकारी के दौरे का कार्यक्रम है। सुरक्षा तैयारियों के एक भाग के रूप में यह निर्णय लिया गया है कि शहर में समारोह स्थल तक पहुंचने के लिए विदेशी पदाधिकारी द्वारा उपयोग किए जाने वाले मार्ग पर किसी भी वाहन यातायात की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि, विदेशी पदाधिकारी के आगमन के लिए निर्धारित समय से ठीक 15 मिनट पहले आपको यह सूचना मिलती है कि गंभीर रूप से बीमार एक मरीज, निजी कार से अस्पताल ले जाते समय अपने परिवार के साथ रास्ते में फँस गया है। इस स्थिति में, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

- वी. आई. पी. के आवागमन के लिए यातायात रोकने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- इस स्थिति में आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों को उनके गुणों एवं दोषों के साथ सूचीबद्ध कीजिए।
- आपकी कार्रवाई क्या होगी? उचित तर्कों के साथ उसका औचित्य सिद्ध कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are posted as the Commissioner of Police in a metropolitan city where a visiting foreign dignitary, with President-level security cover, is scheduled to visit for an official function. As a part of the security preparedness, it has been decided that no vehicular traffic will be allowed on the route which will be taken by the foreign dignitary to reach the venue of the function in the city. However, just 15 minutes before the scheduled arrival of the dignitary, you are informed that a critically-ill patient is stuck on the way to the hospital in a private car along with his family.

In this situation, answer the following:

- Discuss the issues involved in halting traffic for VIP movement.
- List the options available to you in this situation with their merits and demerits.
- What will be your course of action? Justify with proper reasoning. (Answer in 250 words) 20

उपरोक्त स्थिति में निम्नलिखित

① मरीज एवं उसका परिवार

② विदेशी पदाधिकारी

③ पुलिस आयुक्त के रूप में मैं स्वयं

④ आम जनता

⑤ समाज एवं राज्य

(a) यातायात रोकने से जुड़े मुद्दे :-

- ① मार्ग सीमित होने के कारण
आम जनजीवन की समस्या।
- ② अनु० 19(1)(g) के अनुसार
आवागमन की स्वतंत्रता बाधित।
- ③ अनु० 21 के तहत मरीज की जीवन
के अधिकार बाधित → स्वास्थ्य का
अधिकार (बन्धुभा सुनिश्चित मोर्चा वगैरे)
- ④ अनु० 19 के तहत भुक्तिभुक्त निषेधन
(विवेक्षा संबंध) की भुक्तिभुक्तता पर
प्रश्न चिन्ह।
- ⑤ एक लीजसेवक न केवल समाज का एक
आयुन के प्रति जवाबदेह।
- ⑥ अपने दूतों के कर्तव्यों का पालन
बनाम सामाजिक हितों की मध्यस्थ।
- ⑦ मार्ग स्वीकृत से सुरक्षा संगत में
फर सफाई है, जहाँ न स्वीकृत से
मरीज की जान खतरे में।

उपलब्ध विवरण :-

① मरीज हेतु मार्ग स्वीकृत है।

चुन :- सेवा के प्रति समर्पण, समानुभूति
के मूल्यों का पालन

② मशीन की जगह बच सकेगी
दोष : ① विदेशी पदाधिकारी की मुद्रा में

- संकेत
- ② विदेशी संबंधों पर प्रभाव
 - ③ लापरवाही से कड़ी शर्तें संभव

② सुस्था प्राथमिकता है :

गुण : ① विदेशी संबंधों की प्राथमिकता

② आधिकारिक कार्यों का पालन
दोष - जीवन के आधिकार (अनुभव) की
हानि।

② जागरण को समस्या होने से
प्रशासन एवं जागरणों में मह्य अवस्थाएं
बढ़ेंगी।

③ जवाबदारी उपाय - ① विदेशी प्राधिकारियों के
प्रतिनिधियों को इस

समस्या से अवगत करवाना।

② उनसे कुछ देर अधिक समय
मीगना।

③ यात्राओं की प्राथमिक सूचनिका के
- माध्यम से केवल कीमती यात्री ही
स्वीकृत।

गुण : ① सुस्था सुनिश्चित करने एवं

जागारिक आधीजादी की रक्षा में संयुक्त
② सेवा के प्राप्ति समर्पण, समायुक्ती के
मूक्य का पालन

दीष : आधीजादीक कार्य में दीरी संभव

① **कार्यवाही** :

① दूरीक विदेशी मेहमान हेतु स्वाक्य की
व्यवस्था की तयी होगी। अतः स्थानीय
उपलब्ध स्वाक्य कर्मियों का पता लाकिंगा
(हवाई जहाज में सेवा होता है)।

② प्रवास करिगा की बिना दीरी किछ
तात्कालिक रीट पर शेगी की प्राचामीन
निकाला मिल सके।

③ अपने उक्त आधीजादियों से भी सेवा
पारिस्परिक के संबंध में सलाह किंगा।

कीछ रीट रास्ता न होने पर :

① विदेशी आधीजादी की दीरी कुछ समय
देर से कले का अनुपेध करिगा।

② जागारिक स्वाक्य एवं लोक व्यवस्था
हेतु केवल उस व्यक्ति (कीमाट) हेतु
दीरीक रबोला जायेगा

③ टेलफोन आरीजोर का निर्माण :

आस-पास उपलब्ध संक्रमण की
सहायता से तथा निर्जीकट को वहीं
पार्क करा दिया।

इस प्रकार विवेकी आरम्भ

की सुलझा एवं जगहारेक (रोडी) के
स्वास्थ्य की रक्षा केजों में संयुक्त
हो सकेगा। वो सज्जा है, यह कार्य
में लापवासी हो लेकेज फिर भी

पंड हेतु स्वयं को प्रस्तुत करके
इस परिस्थिति में समानुष्कार, आवणा
के मूल्यों को प्रामाणिकता देगा।

8.

ट्रांसजेंडर समुदाय शुरुआती समय से ही भारत के सामाजिक ढांचे का हिस्सा रहा है लेकिन उसे कभी भी समाज के एक सम्मानित वर्ग के रूप में मान्यता नहीं मिली है। 'हिजड़ा' शब्द भारत में पारंपरिक रूप से उन ट्रांसजेंडर महिलाओं के लिए इस्तेमाल किया जाता है जिनका जन्म पुरुष के रूप में हुआ था। पवित्र हिंदू ग्रंथों के अनुसार इस समुदाय की भूमिका और महत्व विवाह एवं जन्म समारोहों में अच्छे भाग्य के लिए आशीर्वाद देने तक ही केंद्रित है। 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश राज के आगमन के साथ ही 'क्रॉस-ड्रेसिंग' के कृत्यों को एक दंडनीय अपराध माना गया और यदि ऐसे अपराध बार-बार किए जाते थे तो कारावास का दंड दिया जाता था। इस प्रकार, हिजड़ों का अपराधीकरण शुरू हुआ। हालांकि, वर्तमान समय में इस समुदाय को पहले की तुलना में कानूनी समर्थन प्राप्त है और वे सामाजिक रूप से सशक्त हैं, किंतु ये अभी भी ट्रांसजेंडर लोगों के प्रति भेदभाव-संबंधी हिंसा, गरीबी और अलगाव के शिकार हैं। उपर्युक्त के आलोक में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

- ट्रांसजेंडर लोगों द्वारा अपने जीवन के विभिन्न चरणों के दौरान सामना की जाने वाली चुनौतियों की पहचान कीजिए।
- ट्रांसजेंडर समुदाय के उत्थान के लिए वर्तमान समय में की गई कई पहलों के बावजूद भारत में उनके साथ लगातार हो रहे भेदभाव के कारणों पर चर्चा कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The transgender community has been a part of India's social set up since the very beginning but never recognized as a reputable part of the society. 'Hijra' is a term traditionally used in India for transgender women who were born male. The role and value of this community in accordance with the sacred Hindu texts condenses to the performance of blessings at marriage and birth ceremonies for good fortune. With the advent of the British Raj in the 19th century, the acts of "cross-dressing" were registered as a criminal offence and if such offences were committed repeatedly, imprisonment followed. Thus, began the criminalization of hijras. Today, although legally supported and socially empowered as compared to earlier times, hijras are still subject to transphobic discrimination-associated violence, poverty, and segregation.

In light of the above, answer the following:

- Identify the challenges faced by transgenders during the different stages of their life.
- Discuss the reasons for the continuing discrimination against transgenders in India despite several initiatives for their upliftment in recent times. (Answer in 250 words) 20

जनगणना 2011 के अनुसार 4.88 लाख
ट्रांसजेंडर भारत में ही हीलोक वास्तविक
जीवन में जहाँ अधिक हो
सकते हैं।

(a) जीवन के विभिन्न चरणों में सामना
की जाने वाली चुनौतियाँ।

(1) सामाजिक : वचपन में ही परिवार से
अलगाव।

→ शिक्षा, स्वास्थ्य को अधिक अवसरों का अभाव।

→ कमलक आदि के कारण : स्वास्थ्य जोय नहीं → एड्स, HIV आदि से अत्यधिक पीड़ित

② आर्थिक - कार्य करने का अवसर नहीं।

→ ग्रीव मींगला या वैश्राष्ट्रि अथवा आशीर्वाद देने तक कार्य सीमित

③ मजदूरशालीक - अकेलापन, भाषजातीय कुरंग तथा समाज से कमलक सिर पर लेनर दूखना बिलभाव।

→ लोगों हाथ अपराधी समझना।

④ राजनीतिक : जागरूकता नहीं।
→ परीनीयत्व नहीं।

⑤ इंसलेस्ट समुदाय हेतु पहलें :

① नाल काउंटेडेशन बाद में IPC को धारा 377 को अर्थ द्योषित।

② इंसलेस्ट आधीनारों का संरक्षण आधीनियम → लिंग स्थानों का आधीनार
→ स्वधीषणा का आधीनार

③ राष्ट्रीय ट्रांसजेंडर परिषदों का निर्माण

④ नौकरियों में आरक्षण

कगानार हो रहे मैकभाव के कारण :

① सामाजिक पूर्वाग्रह : जनता में जागृता की कमी।

② ट्रांसजेंडर व्यापक दबाव समूह नहीं बन पाये हैं।

③ सरकारी योजनाओं (ट्रांसजेंडर संरक्षण अधिनियम) का उचित क्रियान्वयन नहीं → ④ अभी भी मैडिकल बोर्ड द्वारा लॉन्ग प्रमाणपत्र को चलाने

④ ट्रांसजेंडर परिषद का गठन जैसे आगीवारी

⑤ अत्यधिक गरीबी, स्वास्थ्य की समस्या आदि के कारण सुशेध वर्ग।

आगे की राह :

① केरल की लर्ज पट - कोच्चि मेट्रो में

→ ट्रांसजेंडर खेलों को प्रोत्साहित करना।

② 'आम जनता तथा हांसलैडों को
स्वयं उनके आधीनारों के बारे
में जागवल करना।

③ सिविल सोसाइटी एवं NPL के
सहायता से कौशल विकास, अंगु
का विमर्ष तथा इनके उत्पादों को
प्रोडिंग

④ किसी भी प्रकार के अवभाव को
बतलाने सुनवाई तथा अवधानजता को
कंड सुनिश्चित करना।

⑤ परिवार, शिक्षा व्यवस्था एवं समाज
के स्तर पर जागवलता एवं संवर्धन
किया जाये।

⑥ हांसलैड को निरक्षर बोलनाही तथा
अन्य भाषा की व्यवस्था।

हांसलैड समाज के
आर्थिक अंग ही अतः इनकी
समस्याओं को न्याय के साथ
समाधान, कलना के मूल्यों का

प्रयोग करते हुए समाधान करना
प्राप्त।

उम्मीदवारों को
इस क्षेत्र में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

9. आप एक राज्य में पुलिस महानिरीक्षक के रूप में तैनात एक आई. पी. एस. अधिकारी हैं। हाल ही में राज्य के एक जिले में कथित तौर पर पुलिस उपाधीक्षक (डी. एस. पी.) की मौजूदगी में हिरासत में हुई हिंसा के कारण एक पिता एवं पुत्र की मृत्यु से पूरे राज्य में आक्रोश फैल गया है। यह कोई अकेली घटना नहीं है, क्योंकि पुलिस द्वारा शारीरिक हमले के कारण हिरासत में हुई मौतों के संबंध में मानवाधिकार समूहों द्वारा पहले भी आरोप लगाए जाते रहे हैं। राज्य के उच्च न्यायालय ने हाल की इस घटना पर स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार को नोटिस जारी कर हिरासत में मौतों की बढ़ती घटनाओं पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। राज्य सरकार ने घटना की जांच करने और इससे जुड़े तथ्यों की सत्यता के बारे में एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए एक समिति का गठन किया है। आपको समिति का नेतृत्व करने के लिए कहा गया है। आप जिले के पुलिस उपाधीक्षक को एक ईमानदार, मेहनती और शुचितापूर्ण अधिकारी के रूप में जानते हैं। उसने आपसे निजी तौर पर अनुरोध किया है कि आप उसे किसी भी गलत कार्य के आरोप से मुक्त कर दें क्योंकि उसका दावा है कि वह घटना के समय वहां पर मौजूद नहीं था। आप जानते हैं कि उसके खिलाफ कोई भी कार्रवाई उसकी प्रतिष्ठा और करियर के लिए हानिकारक होगी। वहीं दूसरी ओर, विभाग के वरिष्ठ अधिकारी राज्य में पुलिस की समग्र छवि की रक्षा के लिए सारा दोष डी. एस. पी. पर डालने और उसे बलि का बकरा बनाने के लिए आप पर दबाव बना रहे हैं।

दिए गए परिदृश्य में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

- इस प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।
- यह सुनिश्चित करने के लिए कि जांच न्यायसंगत और निष्पक्ष हो, आप क्या कदम उठाएंगे?
- भारत में पुलिस बल अपने दिन-प्रतिदिन के काम-काज में जिन चुनौतियों के दबाव में काम करते हैं, उन्हें देखते हुए कुछ पहलों का सुझाव दीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are an IPS officer posted as the Inspector General of Police in a state. The recent death of a father-son duo in one of the districts in the state, due to custodial violence allegedly in the presence of the Deputy Superintendent of Police (DSP), has sparked anger across the state. This is not an isolated incident, as there have been allegations raised by human rights groups in the past regarding custodial deaths due to physical assault by the police. The High Court of the State, taking suo moto cognizance of the recent incident, has served a notice to the state government, seeking a detailed report on the rising instances of custodial deaths. The state government has constituted a Committee to probe the incident and submit a detailed report about the veracity of facts related to it. You have been asked to head the Committee. You know the Deputy Superintendent of Police of the district to be an honest, hardworking and upright officer. He has privately requested you to absolve him of any wrongdoing as he claims not to be present when the incident occurred. You know that any action against him will be detrimental to his reputation and career. On the other hand, the seniors in the department are pressurising you to put all the blame on the DSP and make him a sacrificial lamb in order to protect the overall image of the police in the state.

In the given scenario, answer the following questions:

- Identify the stakeholders and the ethical issues involved in the case.
- What steps will you take to ensure that the enquiry is seen to be fair and impartial?
- Given the challenges that the police forces in India operate under in their day-to-day functioning, suggest some initiatives to address them. (Answer in 250 words)

20

~~वा. हिस्सा~~

NCRB के अनुसार पिछले 10 वर्षों में
हिरासत में 2000 से अधिक मृत्यु के
मामले आए हैं। ऐसी स्थिति में

वा. सिद्धान्त — इन के रूप में में संबंध

- पुलिस उपाधीक्षक एवं
अन्य सहकर्मी
- मारा गया व्यक्ति एवं उसका परिवार
- (4) आशुषीर जनता
- (5) उच्च पदाधीकारि
- (6) मानवाधिकार समूह एवं मीडिया
- (7) उच्च न्यायालय / राज्य / व्यापक समाज

नैतिक मुद्दे :

अनु० 21 का उलंघन
के हिरासत में मृत्यु प्राणिक न्याय के
सिद्धान्त का उलंघन
→ पुलिस द्वारा आधिकारों का दुलपयोग

(2) ऐसी चरणाओं से प्रशासन एवं जनता
के मध्य आविश्वास बढ़ता है लोग
व्यक्ति न्याय की इच्छा व्यक्त करते
हैं

③ वारेष्ठ आधीनारीयों द्वारा वास्तविक
कार्यवाही की बालिष्ठा तथा खानापूर्ति
के प्रयास — ए दखलाई निरंतर जारी
रहती है,

- ↳ ② फलामबवार्दी मानसिकता
- ↳ ③ सत्यनिष्ठा की कमी

④ परीम कर्तव्य एवं व्यापक सप से
जाबज वाले आधीनारी की सुस्था के
मध्य हैं

⑤ वारेष्ठ आधीनारीयों की बात मानकर
बादवही प्राप्त करने का काम वास्तविकता
उछागत करने के मध्य हैं।

⑥ निष्पक्ष जांच हेतु काम :

- ① ~~संदेह~~ संदेह महसूस आधीनारी को कुछ
पर प्रेक्षण निष्पक्षता पुनरीश्वर करेगा
- ② यदि CCTV फुटेज उपलब्ध है, तो
उसकी जांच।

- ③ वारेष्ठ आधीनारीयों के अनुभव
↳ उन्हें समझा देगा की लीपापोती करने
से — ① सत्य आधीन दिन नहीं
होता
↳ ② जनता का आविश्वास बेदेगा

④ यदि आधीनारी बिप्लव बिजला को
उसके मनोबल पर दुष्प्रभाव पड़ेगा।

④ मै. स्कंय बिना दवाव के लॉन्च
पुलिस करिगा।

① हिंसक मै मानवीय आयालय
के गार्ड लाईन आ प्रयोग हुआ है
आपका वहीं।

② वहीं उपास्थित पुलिस जर्मियों एवं
अन्य लोगों से पूछा है।

③ पुलिस आधीनारी के सामान्य
आचरण की लॉन्च (पूर्व घटनाओं
में व्यवहार अध्ययन)।

④ पुलिस हेतु पहलें

① सभी वालों में CCTV के माते
पुलिस करिगा।

② समयबद्ध छुट्टियों एवं कार्यालय
में खेल-कूद, जिम आदि पुलिस
करिगा (उपाठ- बाराणसी में सावधानी
जिम)।

③ स्वास्ति-पानि की व्यवस्था की
विभागीय जांच

④ पुनराश सिद्धि बाद में SC के विधियों
को लागू करना जिसमें

- ↳ जांच एवं लोकव्यवस्था के कार्य
को अन्तर्गत करना
- ↳ शिवालय विवाहों में शामिल करना
- ↳ राजनैतिक दलधर्म को रोकना

⑤ दंड एवं पुनर्वास की नीति

इसके अन्तर्गत समय-समय पर
पुनर्वास तथा आंतर-सिद्धि प्रणाली को
में व्यवस्था करना जो कम लागू हो
सके

मिस्टर X एक अरबपति व्यवसायी हैं जो बीमा, ऊर्जा उत्पादन एवं वितरण तथा विनिर्माण कार्य में संलग्न एक बड़ी कंपनी के प्रमुख हैं। विश्व भर में एक महान परोपकारी के रूप में उनकी पहचान होने के बावजूद, उन्होंने एक शेयरधारक के उस अनुरोध को ठुकरा दिया है जिसमें जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ विविधता और समावेशन से संबंधित मुद्दों पर कंपनी की कार्रवाइयों का खुलासा करने की मांग की गई थी।

उम्मीदवारों को इस ह्रासिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जलवायु और विविधता के मुद्दों पर बढ़ते ध्यान के कारण, कई प्रमुख फर्मों ने अपनी व्यावसायिक रणनीतियों में प्रासंगिक विचारों को शामिल करने के लिए खुद को प्रतिबद्ध किया है। इसलिए, कुछ उद्योग-पर्यवेक्षकों ने आश्चर्य व्यक्त किया है कि क्या मिस्टर X बड़े पैमाने पर उद्योग के संपर्क में नहीं हैं और उन्हें यह चेतावनी दी है कि जलवायु परिवर्तन के मुद्दों को हल करने में विफल रहने से उनके व्यवसाय के लिए प्रणालीगत जोखिम उत्पन्न हो सकता है। इसके बावजूद, मिस्टर X प्रकटीकरण प्रस्ताव के खिलाफ अपने मत पर कायम रहे, साथ ही जलवायु परिवर्तन और विविधतापूर्ण एवं समावेशी कार्यबल इन दोनों के महत्व को भी स्वीकार किया। हालांकि, मिस्टर X का मानना है कि शेयरधारकों के लाभ को अधिकतम करने के लिए इस तरह के नैतिक मुद्दे गौण महत्व रखते हैं।

- एक व्यावसायिक संगठन में जलवायु परिवर्तन से जुड़ी रणनीतियों और विविधता एवं समावेश को शामिल करने के महत्व पर चर्चा कीजिए?
- आपकी राय में, एक व्यावसायिक संगठन के लिए क्या अधिक मायने रखता है- सामाजिक-पर्यावरणीय चिंताएं या शेयरधारकों का लाभ?
- उपर्युक्त दो मुद्दों को कैसे सुलझाया जा सकता है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mr. X is a billionaire businessman who heads a conglomerate engaged in insurance, energy generation and distribution, and manufacturing. Despite being globally known as a great philanthropist, he turned down a shareholder request seeking the disclosure of the conglomerate's actions on issues related to climate change as well as diversity and inclusion.

Because of increased attention to climate and diversity issues, many leading firms have committed themselves to incorporate relevant considerations in their business strategies. Therefore, some industry-observers wonder if Mr. X is out of touch with the industry at large and have warned him that failing to address climate change issues puts his businesses under systemic risk. But, Mr. X maintained his vote against the disclosure proposal, while at the same time acknowledged the importance of both climate change and a diverse and inclusive work force. However, Mr. X believes that such ethical issues take secondary importance to maximising shareholder profit.

- Discuss the importance of including climate change strategies and diversity and inclusion in a business organisation?
- In your opinion, what matters more for a business organisation - socio-environmental concerns or shareholder profit?
- How can the two above-mentioned issues be reconciled? (Answer in 250 words)

20

हालांकि मैं शेयर विनिवेशकों के तहत सूचीकृत कंपनियों को पर्यावरण, सामाजिक एवं गवर्नेंस (ESG) प्रदर्शनों के

आजीवार्थ एवं स्वीचर्ड (नैष्ठिक) संबंधों
मानकेंड जार्गी किये।

उम्मीदवारों को
इस हार्गिर में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

(व) जलवायु परिवर्तन रणनीतियों एवं
विवेधता समावेशन का मंदल :

① हिवचारक के रूप में समाज, एवं
राज्य की नीतियों का पालन
पुनिलक्ष्येत्।

② आर्थिक लाभ - ग्रुन बॉड, सोशल रंपैक्ट
बॉड आदि का विधीयन प्राप्त होना
संभव।

③ जलवायु परिवर्तन सबपर प्रभाव डालता है
→ आपदा के रूप में कंपनियों पर
हार्त्।
→ जैसे कठोर मानकों के कारण
कंपनियों बंद भी हो सकती हैं।
(उपल - लारा द्वारा एक में स्थित संभव
बंद करने की संभावना यदि उर्ण कौतीनी
50% जही कुभी।

④ देश के जलवायुविक लक्ष्यों से सम्भरा
→ प्रदूषण में कमी।

⑥ विविधता समावेशन से जैसे विचार
एवं कार्य संस्थाएँ बुद्धि संभव।

⑦ मूल कार्यवाही का पालन: तैयारी के आधार
की समाप्ति

⑧ IMF के अनुसार कार्यस्थल पर
विविधता समावेशन उत्पादकता बढ़ाता है

⑨ समाज में गुणवत्ता की स्थापना।

⑩ एक व्यवसायिक संगठन मुख्य तौर
पर शोध करने के लाभ की
प्रामाणिकता देता है क्योंकि

① उच्च गारंटीज्ड रिटर्न से
निवेश में वृद्धि।

② व्यवसायिक विस्तार संभव

③ कार्यरत कर्मियों की वेतन एवं
सामाजिक सुख सुनिश्चित करना

④ अधिक से अधिक लाभ
आर्जन करना।

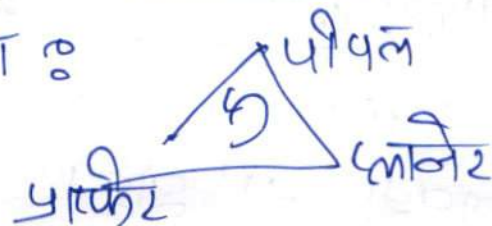
दोलारों में राश में सामाजिक-परिवर्तन
चिन्ताओं की भी समाज महत्व देता
—पाहिर।

① कर्मचारी - संगठन समाज के
लक्ष्याधनो का उपयोग
करते हैं।

- ② समाज भी हिरद्याज है।
- ③ पर्यावरण परिवर्तन का अतीव प्रभाव
व्यवसाय पर भी पड़ता है।
- ④ वीर्यमालिक संस्थाई एवं स्मैट विकास
है। आवश्यक।

⑤ उपरोक्त मुद्दों का सुलझाव।

① नाशायन मूल के कंपैसनेर की पिछाने
का उपयोग :



② कारपोरेट गवर्नेंस मानकों में ESG

प्रकटीकरण आवश्यक जाना तथा
पारदर्शिता है। कारपोरेट्स को जोसाज
का हूँ आदि।

③ CSR की अवधारणा का अधिक उपयोग

④ स्वतंत्र निरीक्षणों की आवश्यकता को

बढ़ती तथा कंपनियों की नीतियों को
सुगम एवं प्रत्यक्षमिष्ठ बनाना
। जिससे विविधता समावेश हो सके।

⑤ मीडिया, समाजीक संगठनों आदि
के सहयोग से जागरूकता (अप-
ब्रान्ड टैक इंशिया द्वारा 'वीमैन रज
इंटरप्रेन्योर शिप') को बढ़ावा।

कंपनियों को दायर
रखना होगा, कि समाज एवं वर्गवर्ग
की उनके प्रमुख विविधता हो मतः
वास्तविक ESSE प्रवर्धित तथा
पारदर्शिता उनके हित में हो।

11.

आप एक ऐसे जिले में पुलिस अधीक्षक (SP) के रूप में तैनात हैं जहां विभिन्न धार्मिक समुदायों के लोग एक साथ शांतिपूर्वक रह रहे हैं। यह जिला अपनी स्थापत्य विरासत के लिए भी प्रसिद्ध है और यहां विश्व भर से पर्यटक नियमित रूप से आते हैं। हालांकि, पड़ोसी राज्य में एक ऐसी घटना हुई है जिसमें दो अलग-अलग समुदायों के लोगों ने धार्मिक मुद्दों पर लड़ाई शुरू कर दी है। इस घटना का प्रभाव पूरे देश पर पड़ा है। आपकी तैनाती वाले क्षेत्र में भी विभिन्न स्रोतों से आपको हेट स्पीच वाले कुछ ऐसे वीडियो के प्रसार की सूचना मिली है जो कानून और व्यवस्था की स्थिति को बिगाड़ सकते हैं। आप यह भी जानते हैं कि आपके जिले में संदिग्ध नीयत से कुछ बाहरी लोगों का आना शुरू हो गया है। एक इलाके में एक दुकानदार की, जिसने पहले इंटरनेट पर कुछ पोस्ट करने के कारण मिलने वाली धमकियों के बारे में शिकायत दर्ज कराई थी, उसकी निर्दयतापूर्वक हत्या कर दी गई है। इस घटना ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। आपको यह सूचना दी गई है कि दुकानदार जिस समुदाय का था, उस समुदाय के सैकड़ों लोग आपके जिले में व्यापक विरोध प्रदर्शन करने की योजना बना रहे हैं।

- (a) दी गई स्थिति में, जिले में कानून और व्यवस्था की स्थिति को स्थिर बनाए रखने के लिए आपके समक्ष क्या विकल्प उपलब्ध हैं। अपनी कार्रवाइयों का विस्तृत विवरण प्रदान कीजिए।
- (b) क्या आपको लगता है कि वर्तमान कानूनी और संस्थागत ढांचे समाज में हेट स्पीच के खतरे से निपटने के लिए पर्याप्त हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are posted as a Superintendent of Police (SP) in a district where people of different religious communities are living together peacefully. The district is also famous for its architectural heritage and is regularly visited by tourists from all around the world. However, there has been an incident in the nearby state where people of two different communities have started fighting over religious issues. This incident has a spillover effect over the whole country. In your own area of jurisdiction, you have come to know from various sources about circulation of some hate speech videos, which have the potential to destabilise the law and order situation. You are also aware that some outsiders with dubious intentions have started pouring in your district. In one locality, a shopkeeper who had earlier filed a complaint regarding threats he received for posting something on the internet, is found murdered in cold blood. This incident has stunned the nation. You are being informed that hundreds of people of the community to which the shopkeeper belonged are planning to stage a massive protest in your district.

- (a) In the given situation, what are the options available to you to ensure that the law and order situation in the district remains stable. Provide a detailed account of your course of action.
- (b) Do you think the present legal and institutional mechanisms are sufficient to tackle the menace of hate speech in the society? (Answer in 250 words)

20

प्रसिद्ध मानवाधिकार संस्था ह्यूमन राइट्स
वाच' के अनुसार भारत में हेट स्पीच
के मामले बढ़े हैं। हाल ही में
राजस्थान में 'कट्टीया लाल' की हत्या
वर्षा संदर्भ में उपयुक्त है।

विजलप उपलब्ध ① विभिन्न रक्त समुदाय
का पद लेनट सामने को शांत
करने का प्रयास करें।

② विजलप जीन स्व हत्याओं पर
कार्य कारवाही तथा नगून के
पत्र में लाना।

③ प्रामाणिक रोट पर हैर स्पीच के सामने
को सुलझाना।

कार्यवाही का विस्तृत विवरण :

① टेलीग्राफ कार्य ० एवं टेलीग्राफ नियम-
2017 के तहत इंटरनेट पर रोक-
तारक हैर स्पीच का प्रसार न
हो।

② इन वीडियो को हर स्तर से
स्वीकृत डिमीट करना।

③ अपहरणों को पहचान : सोशल मीडिया
सहयता नियमों के तहत सोशल मीडिया
सूचना आरंभकर्ता को सूचना देने
के लिए वाध्य हो। इसका प्रयोग करेगा

④ पुलिस फ्लैग मार्च को व्यवस्था।

- ④ सामुदायिक सौदाई हेतु : पीस कमिटीयों
एवं बौद्धिक जनों के साथ
आवेदनक सीटिंग तथा विगडनी काबून
ज्यवस्था के प्रति आगाह करिगा।
- ⑤ बिले की सीमाओं पर कठोर जांच
तथा उपद्रवियों की पहचान
- ⑥ मीडिया एवं अन्य संचार माध्यमों
से विश्वास बढ़ाने के उपाय तथा
यह सुबिाश्येक करिगा कि हत्या
→ वे समुदायों के मध्य टुष का
मामला न बने।
→ काबून ज्यवस्था प्राथमिक रहे
अतः IPC की धारा 144 लागू
कराकिगा।

वीर्यजालीन उपाय :

- ① सीशल मीडिया पर मोनूवरिंग (IB
का आपरेशन चणूगूह)
- ② मुख्य संवेदनशील स्थलों पर निगरानी
(एवं CCTV का उपयोग)
- ③ ऐसे मामलों हेतु पीस कमिटीयों

तथा समुदाय के बुजुर्गों का प्रयोग।

④ लीडर्सशिप एवं व्यापक सुनिश्चित करने
विश्वास बढ़ाई।

⑤ खेलों, सामूहिक खेल आदि का
आयोजन।

⑥ ट्रेड स्पीच से निपटने हेतु वर्तमान
दोष

① लोक माडिया मध्यवर्ती नियम

② IPC को धारा 505, 153(A), 153(B)
आदि।

③ RPA 1951 को धारा 123 के तहत
सांख्यिक मापकों पर रोक।

होलांकी यह पर्याप्त नहीं है।

① ट्रेड स्पीच परिभाषित नहीं - अमीश
पेवजन वाद में SC ने कहा कि
ट्रेड स्पीच एवं आभिव्यक्ति को
स्वतंत्रता में अंतर करना
आवश्यक।

② लोक माडिया तथा VPN एवं
डार्क वेब का प्रयोग जो-जो एवं

- निगरानी में बाधा डालता है।
- ③ ट्रिवेटीव कार्यावाहियों का अभाव है।
 - ④ ट्रे स्पीच प्रमुख काबुल एवं व्यक्त्वा
की समस्या का नुजा है।
 - ⑤ राज्य एवं गैर राज्य आम्मीवर्गों से
सहयोग।

अतः ट्रे स्पीच देहु भला
से काबुल वनाप उमेर सभी
पहलुओं का समावेश आम्मीवर्ग है।

भारतीय शिक्षा प्रणाली कई समस्याओं से ग्रस्त है। प्रमुख समस्याओं में से एक 'रटकर सीखने' पर ध्यान केंद्रित करना है जो कई वर्षों से भारतीय शिक्षा प्रणाली की मुख्य विशेषता रही है। हालांकि, कई भारतीयों ने इस प्रणाली के बावजूद सफलता प्राप्त की है, किंतु आज की दुनिया में केवल सूचनाओं को याद रखने में सक्षम होना ही पर्याप्त नहीं है, जबकि वह सूचना किसी भी व्यक्ति को मोबाइल फोन पर तुरंत उपलब्ध हो जाती है। 200 भारतीय और विदेशी कंपनियों के एक सर्वेक्षण में पाया गया है कि केवल 14% भारतीय स्नातक कार्यबल में शामिल होने के लायक थे। इसका मुख्य कारण यह था कि अधिकांश स्नातक वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए अपने ज्ञान का प्रयोग करने में असमर्थ थे। इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

उम्मीदवारों को इस दृष्टि में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(a) देश में युवा छात्रों के शैक्षिक विकास पर 'रटकर सीखने' के क्या प्रभाव हुए हैं?

(b) इस मुद्दे को हल करने के लिए किए जा सकने वाले उपायों का सुझाव दीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The Indian education system suffers from many ills. One of the major issues is the focus on 'rote learning', which has been the staple of the Indian education system for many years. While many Indians have attained success despite this system, simply being able to recall information is not enough in today's world when that information is instantly available to anyone on a mobile phone. A survey of 200 Indian and foreign companies found that only 14% of Indian graduates were prepared for the workforce, largely because most graduates were unable to apply their knowledge to solve real-world problems.

In this context, answer the following questions:

(a) What are the consequences of 'rote learning' on the educational development of young students in the country?

(b) Suggest measures that can be taken to address this issue. (Answer in 250 words)

20

क) युवाओं के शैक्षिक विकास पर 'रटकर सीखने' के प्रभाव।

① नकारात्मक : ① शिक्षा व्यवस्था को सील बन गयी है

② जवाबदाar एवं उत्प्रेरणा के विकास में बाधा (ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में 46वाँ स्थान)

③ जवाबदाar (क्यांश्म, नैनो) आदि में कार्यबल का पिछड़ा पन।

④ प्रौद्योगिकी महौल में सीखने की जगह (मानव विकास में बाधा)

- ④ उद्योग एवं बिश्वा व्यवस्था का
लिंकेज बंद गया है।
- ⑤ अनुसंधान पर जोर नहीं केवल
जोर्गरी प्राप्त करने पर जोर
है कि रवका हासिल हो जाती है।
- ⑥ बिश्वा व्यवस्था मनोवैज्ञानिक विकास
जहाँ जाती - WHO के अनुसार
एक सर्वाधिक आत्मस्था स्तर में

समात्मक लाभ :

- ① विश्व प्रतियोगिताओं में भारतीय
ओग (ओलंपिअड, स्पेल बी)
- ② रोजगार हेतु प्रांतीय सहमता

③ इन मुद्दों को हल करने के
सुझाव

- ① परिवार, समाज तथा क्षेत्रीय
संस्थाओं में मुख्य के रूप
में रवका सीखने के वजाय
कठोर सीखने पर जोर।

② स्कूल एवं माध्यमिक शिक्षा के
क्षेत्र पर उद्योगशालाएँ एवं वोकेशनल
ट्रेनिंग अपनाने का लक्ष्य (अन्तर्राष्ट्रीय
मिशन, नई शिक्षा नीति - 2020।

③ प्रतियोगी परीक्षाओं को स्वयं के
बजाय उपवहारिक स्तर को समझ
जाँचने में अनुसूचित करना (अप-
TII JEE का पाठ्यक्रम)

④ पाठ्यक्रम का पुनर्निर्माण तथा विषयों
के स्तर: चुनाव एवं प्राप्ति तथा
फैल प्रणाली में परिवर्तन।

⑤ अन्तर्राष्ट्रीय बेस्ड प्रोफाइल से सीखना
तथा उद्योगिक एवं नवाचार के
माहौल को बढ़ावा देना

⑥ पुस्तकालय की नीति तथा टिचरों
आदि प्रतियोगीताओं का आयोजन।

‘स्तर सीखने’ को
‘कार्य सीखने’ से प्रतिस्थापित करने
के लिए सबसे पहले

समाज की छाया में 'परिवर्तन'
आनेवाया है तथा ऐसा 2020 की
वर्ष विशेष नीति की लागू करके
तथा मीडिया, सामाजिक समूहों
आदि के माध्यम से मुवाये
की अन्यत मेटाबोलि प्रदान करके
लिखा जा सकता है।

उम्मीदवारों को
इस हशिप में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

